PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

D	1	8	1	0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

MAITHILI
मैथिली

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : ई प्रश्नपत्र **दू सय (200)** अंकक अछि । एहिमे **चारि (4)** खंड अछि । अभ्यर्थीकँ एहिमे समाविष्ट प्रश्नक उत्तर यथास्थान देल गेल विस्तृत निर्देशक अनुसार देबाक अछि ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks, each to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : एहि खंडमे **बीस-बीस** (20) अंकक **दू** निबन्धात्मक प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **पाँच सय** (500) शब्दमे अपेक्षित अछि । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. कोनो **एक** विषयपर निबन्ध लिखू :

   A. मैथिली उपन्यास

   B. मैथिली समालोचना साहित्य

   C. मैथिली लोकसाहित्य

2. कोनो **एक** विषयपर निबन्ध लिखू :

A. सुरेन्द्र झा 'सुमन'

B. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'

C. वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen** (**15**) marks and is to be answered in about **three hundred** (**300**) words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : एहि खण्डमे प्रत्येक ऐच्छिक इकाइ / विशेषज्ञतासँ **तीन** (3) प्रश्न अछि । अभ्यर्थीकेँ मात्र **एक** ऐच्छिक इकाइ / विशेषज्ञताकेँ चुनि ओकरे **तीनू** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकक अछि, जकर उत्तर लगभग **तीन सय** (300) शब्दमे अपेक्षित अछि । **(3 × 15 = 45 अंक)**

ऐच्छिक – I
(विद्यापति)

3. विद्यापतिक लोकप्रियताक कारणपर विचार करू ।
4. विद्यापतिक व्यापक प्रभावक समीक्षा करू ।
5. विद्यापतिक काव्यमे अलंकार-योजनापर प्रकाश दिअ ।

ऐच्छिक – II
(चन्दा झा)

3. कवीश्वर चन्दा झाक भक्ति-भावनापर प्रकाश दिअ ।
4. कवीश्वर चन्दा झाक रचनामे चित्रित सामाजिक चेतनाक निरूपण करू ।
5. अनुसंधान एवं अनुवादक क्षेत्रमे कवीश्वर चन्दा झाक योगदान देखाउ ।

ऐच्छिक – III

(आधुनिक नाटक)

3. आधुनिक मैथिली नाटकक उद्‌भव ओ विकासक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करू ।
4. मैथिली एकाङ्कीक लेखा-जोखा प्रस्तुत करू ।
5. सुधांशु 'शेखर' चौधरीक नाट्यशिल्पक विशेषता देखाउ ।

ऐच्छिक – IV

(आधुनिक कविता)

3. आधुनिक मैथिली काव्यधाराक प्रमुख प्रवृत्तिसँ परिचय कराउ ।
4. आधुनिक मैथिली कवितामे चित्रित प्रमुख वादक समीक्षा करू ।
5. आरसी प्रसाद सिंहक काव्यप्रतिभासँ परिचय कराउ ।

ऐच्छिक – V

(कथा – उपन्यास)

3. मैथिली उपन्यासक विकासपर संक्षेपमे प्रकाश दिअ ।
4. प्रभास कुमार चौधरीक कथाशिल्पपर विचार करू ।
5. मैथिली कथामे चित्रित सामाजिक चेतनासँ परिचय कराउ ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : एहि खंडमे **दस-दस** (10-10) अंकक **नओ** (9) प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दमे अपेक्षित अछि । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. वर्णरत्नाकरक साहित्यिक विशेषता देखाउ ।

7. विद्यापतिक प्रमुख संस्कृत रचनाक उल्लेख करू ।

8. कृष्णजन्मक महत्त्व देखाउ ।

9. पारिजात-हरणमे नारदक भूमिका निरूपित करू ।

10. ‘पतन’ खण्डकाव्यक नामक सार्थकता पर विचार करू ।

11. भीमनाथ झाक कविताक विशेषता देखाउ ।

12. मायानन्द मिश्रक उपन्याससँ परिचय कराउ ।

13. समालोचक रमानाथ झासँ परिचय कराउ ।

14. लोकसाहित्यक प्रमुख प्रभेदसँ परिचय कराउ ।

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.
(5 × 5 = 25 marks)

नोट : एहि खण्डमे निम्नलिखित अनुच्छेदपर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दमे अपेक्षित अछि । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकक अछि ।
(5 × 5 = 25 अंक)

एही अवसरपर महान कोलाहलेँ हमरो निन्द टुटिए गेल । हब्बर-हब्बर बाहर आबि अन्हारेमे चौदिस ताकऽ लगलहुँ । देखि तँ किछु नहि पड़ल । नाना प्रकारक शब्द सुनि बुझऽमे आयल जे कतहु दक्षिण भागमे कोनो वस्तुपर आक्रमण करबाक हेतु शब्द सुनि शतश: जनक सम्मर्द भऽ रहल अछि । अनुभव भेल जेना प्रत्येक व्यक्तिक हाथमे तेज हाँसू रहैक जाहिसँ जन सभ जेना धानक सीस सभकेँ काटि रहल हो । क्रमश: सीस कटबाक खर-खर शब्द बहुत दूर धरि स्पष्ट सुनऽमे आबऽ लागल एवं प्रत्येक दिशासँ धान्य-लक्ष्मी केर लोढ़बाक भीषण शब्दो कर्णगोचर होबऽ लागल, संगहि संग क्षेत्रपति लोकनिक डाँट-डपटक कोलाहल ओहि भीषणताकेँ आओर भयंकर बना रहल छल । ओहि जन-सम्मर्दकेँ ने जाड़क चिन्ता, ने ओसक भय, ने पूब-पच्छिमक ज्ञान । उत्साहेँ भरल धान्य लक्ष्मीक साक्षात्कार जन्य आनन्देँ हाहाकार करैत सुप्ता धान्य-लक्ष्मीकाँ अपन घर लऽ जयबाक हेतु सभ हुनका जगयबामे तत्पर भऽ गेल अछि । कोन ढामसँ ओ कोना कऽ सम्हारि कऽ उठा हिनका लऽ जाइ ताहि विचारमे सम लागल अछि । वर्ष दिनुका बाद भरि वर्षक आशाक आधारपर नचैत कृषक लोकनि अपन-अपन आशालताक फूलकेँ दुनू हाथेँ लोढ़ि-लोढ़ि ओ पुनि सहस्र हाथेँ काटऽमे लोक लागि जाइछ । धन्य ई देश, धन्य ओ लक्ष्मी तथा धन्य ओ कृषक लोकनिक प्रोत्साहसम्पन्न अथक परिश्रम जे आइ बहुरूपमे नृत्य करैत धान्य-लक्ष्मी धनिक ओ दरिद्र सभक घरमे समान भावेँ प्रवेश करऽ जा रहल छथि । नव आहलादेँ भरल, ककरो कोनो चिन्ता नहि । सभक एक मात्र ध्येय छल-धान्य-लक्ष्मीकाँ स्वागत कऽ अपन

टुटलो खोपड़ीमे कोना कऽ आनि बैसाबी । भक्तवत्सला भगवती लक्ष्मी एहि अवसरपर धनिक ओ दरिद्रक मुँह नहि देखथि । केवल अथक परिश्रम कयनिहारक उत्साहसँ भरल लोकक श्रद्धा, प्रेम ओ भक्ति मात्र देखि सभक घरमे पूजा-सत्कार स्वीकार करैक हेतु कृषक लोकनिकाँ अपन वरदहस्तेँ अभय वर देबाक निमित्त एवं सुकर्मक सुन्दर फल देबाक हेतु जे हुनकर आदर करैछ तनिका ओहिढाम जयबामे हुनका कनेको तारतम्य वा आलस्य नहि । एही उदारताक कारणेँ सभ लोक धान्य-लक्ष्मीक स्वागत तथा पूजा करबामे तत्पर रहैछ ।

15. लेखककेँ कोन प्रकारक कोलाहल सुनबामे अयलनि ?

16. धनकटनीक केहन दृश्यक वर्णन भेल अछि ?

17. धान्यलक्ष्मी किनका आ किएक कहल गेल अछि ?

18. धनिक ओ दरिद्रकेँ एक मात्र ध्येय की रहैत अछि ?

19. धान्यलक्ष्मीक पूजा लोक किएक करैन अछि ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....